Prabhat Khabar (Date: - 28/12/2019)

पूरे देश में जल-जीवन-हरियाली योजना की हो रही चर्चा : सीएम

संवाददाता ▷ बक्सर/आरा

661.07 करोड़ की 122 योजनाओं का किया शिलान्यास एवं उद्घाटन

- जल-जीवन हरियाली यात्रा के तहत भोजपुर के भेड़री और बक्सर के उनवांस पहुंचे मुख्यमंत्री
- भेड़री में बागवानी मिशन के तहत पॉली हाउस, जरबेरा फूल की खेती का किया अवलोकन

उनवांस गांव में स्टॉल का निरीक्षण करते सीएम नीतीश कुमार . **देखें पेज 09 भी**

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जलवायु में लगातार परिवर्तन हो रहा है, जिससे भू-जल के स्तर में गिरावट आ रही है. कभी अतिवृष्टि तो कभी वर्षा की कमी हो रही है. इसकी गंभीरता को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष, विधान परिषद सभापति, विधानसभा एवं परिषद के सदस्यों के साथ घंटों विचार के बाद जल-जीवन-हरियाली कार्यक्रम को अभियान के रूप में चलाने की शुरुआत की गयी है. पहले शराबबंदी और अब जल-जीवन-हरियाली योजना की चर्चा पूरे देश में हो रही है. मुख्यमंत्री जल-जीवन-हरियाली यात्रा के तहत शुक्रवार को बक्सर जिले के इटाढ़ी प्रखंड के उनवांस गांव में जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. मौके पर सीएम ने रिमोट से 661.07 करोड़ की 122 योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया. इससे पहले उन्होंने भोजपुर जिले के गड़हनी प्रखंड के भेड़री में विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया.

मुख्यमंत्री ने बक्सर जिले के उनवांस गांव में साहित्यकार शिवपूजन सहाय की प्रतिमा का अनावरण करते हुए उनकी धरती को नमन किया और कहा कि यह धरती खास है. उन्होंने कहा कि पहले पूरे प्रदेश में हरित आवरण महज नौ प्रतिशत था, जो इस अभियान अब 15 प्रतिशत हो गया है.पूरे प्रदेश में आठ करोड़ पौधे लगाये जायेंगे. इसके पहले सरकार ने हर घर बिजली का लक्ष्य समय से पूरा कर लिया है. इसी तरह किसानों के खेतों को पानी देने का लक्ष्य भी शीघ्र ही पूरा कर लिया जायेगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य भर में न्याय के साथ महिलाओं, अतिपिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों का कल्याण हुआ है. उन्होंने कहा कि राज्य के छह जिलों के 44 प्रखंडों से शुरू जीविका कार्यक्रम को पूरे प्रदेश में लागू किया गया है. जीविका के माध्यम से अब तक नौ लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन हो चुका है. बिहार ने महिला सशक्तीकरण, शराबबंदी, बाल विवाह उन्मूलन की दिशा में काफी तेज गति से कदम बढ़ाया है. सभी क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण के लिए आरक्षण दिया गया है. ऐसे में बिहार बदल रहा है. इससे पहले सीएम ने भोजपुर की इचरी पंचायत के भेड़री गांव में मुख्यमंत्री बागवानी मिशन के तहत पॉली हाउस में जरबेरा फूल की खेती, ड्रीप सिंचाई पद्धति पर आधारित मिश्रित खेती, वर्मी कंपोस्ट पीट, डी कंपोजर पीट, कृषि यांत्रिकीकरण मेला, परिवहन मेला, किसान गोष्ठी, सरकारी योजनाओं का स्टॉल भ्रमण तथा मत्स्यपालन ● **बाकी पेज 17 पर**

Prabhat Khabar (Date: - 28/12/2019)

तैयारी. बिहार पुलिस आधुनिक उपकरण व हथियार से होगी लैस

बिहार पुलिस को नये वर्ष में मिलेंगे टार राइफल और मोबाइल लोकेटर

संवाददाता ▷ पटना

बिहार पुलिस नये वित्तीय वर्ष 2020-21 में कई आधुनिक उपकरण और हथियार से लैस होगी. बिहार पुलिस के आधुनिकीकरण योजना के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय को राज्य पुलिस मुख्यालय की तरफ से 46 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है. इसमें 27 करोड़ रुपये केंद्रांश और 19 करोड़ रुपये का राज्यांश है. इसके तहत केंद्र सरकार से सूबे की पुलिस ने मोबाइल लोकेटर, आधुनिक जैमर, सर्विलांस से जुड़े कुछ हाइटेक उपस्कर के अलावा अन्य आधुनिक उपकरणों के साथ ही टार (आइडब्ल्यूआइ टैक्टोर) राइफल जैसे आधुनिक हथियार मांगे हैं. बदलती पुलिसिंग में पुलिस की जरूरतों को देखते हुए पहली बार इस तरह के आधुनिक उपकरणों की मांग की गयी है. हालांकि, केंद्र को भेजे गये इस प्रस्ताव पर विस्तार से मंथन होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि बिहार पुलिस को ये सामान मिलेंगे या नहीं. फिर भी मोबाइल लोकेटर, आधुनिक जैमर जैसे अन्य एडवांस उपकरण मिलने की पूरी संभावना है. ये उपकरण बिहार पुलिस को पहली बार मिलेंगे.

- **केंद्रीय गृह मंत्रालय को पुलिस मुख्यालय की तरफ से वित्तीय वर्ष 2020-21 में आधुनिकीकरण के लिए भेजा गया 46 करोड़ का प्रस्ताव**

एटीएस के लिए खास उपकरण की मांग

इसके अलावा पुलिस आधुनिकीकरण के इस प्रस्ताव में अन्य वर्षों की तरह ही अन्य उपकरणों, हथियारों व गाड़ियों समेत अन्य चीजों की मांग की गयी है, परंतु ये कुछ खास चीजें हैं, जिनकी मांग पहली बार की गयी है. मोबाइल लोकेटर की मदद से किसी अपराधी या किसी व्यक्ति का एकदम सटीक लोकेशन ट्रैक किया जा सकता है. यह उपकरण इतना सटीक लोकेशन बताता है कि कौन- सा अपराध किस गली के किस मकान के किस कमरे में है, यहां तक इससे पता चल जाता है. वह भी बेहद कम समय में. यह सामान्य मोबाइल लोकेटर से काफी अलग है. वर्तमान समय में पुलिस मोबाइल टॉवरों के को-ऑर्डिनेट की मदद से किसी मोबाइल का लोकेश ट्रेस करती है. यह बहुत ज्यादा सटीक नहीं होता है. इसका पोजीशन थोड़ा डेविएट भी हो सकता है. इस नये उपकरण के आने से यह समस्या समाप्त हो जायेगी. इसके अलावा बिहार पुलिस ने फॉरेंसिक साइंस लैब और एटीएस (आतंकवाद निरोध दस्ता) की जरूरत के लिए कुछ खास उपकरणों की मांग की है.

Prabhat Khabar (Date: - 28/12/2019)

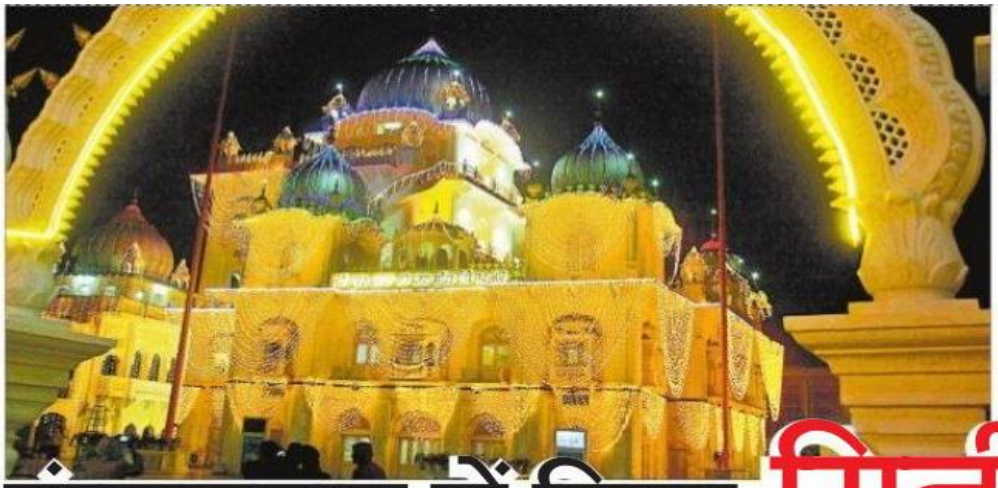

पटना साहिब की फिजा में इन दिनों फिर से जो बोले सो निहाल, सतश्री अकाल गूंज रहा है . गुरु गोविंद सिंह के 353वें प्रकाशोत्सव पर यूएस, छत्तीसगढ़, पंजाब, कनाडा से पंजाबी श्रद्धालु पटना साहिब के दरबार में जत्थे के रूप में पहुंच रहे हैं . ट्रेन, फ्लाइट और निजी गाड़ियों से तख्त श्रीहरिमंदिर पटना साहिब के दर्शन के लिए आ रहे हैं. यहां आने के बाद श्रद्धालु व्यवस्था देखकर वशीभूत हो जा रहे हैं . पटना सिटी से विजय सिंह की रिपोर्ट .

कंगनघाट में दिखा मिनी पंजाब

तख्तश्री की पवित्र धरती बहुत सुंदर है

पंजाब के पटियाला से शुक्रवार की सुबह पटना साहिब पहुंचे दलजीत सिंह कहते हैं कि तख्तश्री की पवित्र धरती पर बहुत आनंद आता है. बहुत बढ़िया व्यवस्था है, लगता ही नहीं कि हम पंजाब से बाहर हैं. बिल्कुल टेंट सिटी में पंजाब का अक्स दिखता है. परेशानी की तो बात ही नहीं जी, बिल्कुल दिल खुश है, पूरा जत्था बहुत खुश है. टेंट सिटी में तीन गेट बनाया गया है. दो गेट लंगर की तरफ जाता है और तीसरे गेट से अस्थायी आवास की तरफ जाने का रास्ता है. लंगर और आवास के बीच में अस्पताल एवं रिसेप्शन हॉल बनाया गया है. यहां पर करीब 50 सोफे रहे गये हैं. छह काउंटर हैं, जहां से आने वाले लोग सबसे पहले आवास के लिए काउंटर से रजिस्ट्रेशन कराते हैं और टेंट सिटी में विश्राम के साथ लंगर का आनंद लेते हैं.

बाबा सच्चा सिंह का चल रहा लंगर

यूके से पधारे बाबा सच्चा सिंह और उनका जत्था कारसेवा में लगा हुआ है. सच्चा साहब डेरा की तरफ से लंगर की व्यवस्था शुरू की गयी है. 24 घंटे लंगर की व्यवस्था की गयी है. लंगर में तरह-तरह के व्यंजन हैं. चाय, जलेबी, हलवा का नाश्ता है. खाने में पूड़ी, पुलाव व मटर-पनीर है. कारसेवकों ने कहा कि 25 दिसंबर से ही लंगर चल रहा है. चार जनवरी तक चलेगा. अभी एक लंगर चल रहा है.

प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए यूके से राजगीर पहुंचे सिख श्रद्धालु .

टेंट सिटी परिसर में 10 इ-रिक्शा का हो रहा फ्री परिचालन

कंगनघाट टेंट सिटी में करीब 10 एकड़ में पांच हजार लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गयी है . इसमें वीआइपी कॉटेज भी बनाये गये हैं . अस्थायी आवास में गद्दा, रजाई एवं तकिया का प्रबंध किया गया है . हर आवास के बाहर सिक्युरिटी गार्ड तैनात हैं, जो श्रद्धालुओं के सामानों की सुरक्षा कर रहे हैं . चूंकि एरिया बहुत बड़ा है, इसलिए इसमें जिला प्रशासन ने 10 इ-रिक्शा का फ्री में प्रबंध किया है जो श्रद्धालुओं को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचा रहे हैं . श्रद्धालु सीधे टेंट सिटी पहुंच रहे हैं, इसके बाद रजिस्ट्रेशन कराकर अपना बेड नंबर लेते हैं और अपने बेड पर जाकर सामान रखते हैं . शौचालय और नहाने का प्रबंध हैं .

यूके से राजगीर पहुंचे तीन सौ डेलीगेट्स

राजगीर में तीन दिनों तक चलने वाले गुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व को लेकर शुक्रवार से 48 घंटे का अखंड पाठ शुरू हो गया . पहले दिन ही अखंड पाठ में भाग लेने के लिए यूको से विभिन्न समुदाय के तीन सौ डेलीगेट राजगीर पहुंचे, जहां उन्होंने गुरु नानक देव जी महाराज के सामने माथा टेक कर देश में अमन और चैन की दुआ मांगी . यूको से आये डेलीगेट गुरुद्वारा के बाद हॉकी मैदान गये, जहां उन्होंने लंगर का प्रसाद चखा . गुरु पर्व की तैयारी में जुटे महासचिव सरदार महेंद्र पाल सिंह ढिल्लन ने कहा कि परमात्मा एक है . यहां सभी संतों की सेवा की जाती है . पहले दिन 48 घंटे का अखंड पाठ शुरू किया गया . अभी पंजाब से जो श्रद्धालु आ रहे हैं, वह हरिमंदिर साहब में मत्था टेकने के बाद 28 दिसंबर को गुरुनानक जी के कार्यक्रम में शामिल होने राजगीर जा रहे हैं . इसके बाद यह लोग फिर पटना साहिब लौटेंगे .

लेजर शो में दिखेगा गुरु महाराज का जीवन

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के जीवन दर्शन पर आधारित लेजर शो सिख संगतों के लिए दो शो में चलाया जायेगा . संगत की भीड़ बढ़ने की स्थिति में तीन शो भी चलाया जा सकता है . मंगल तालाब परिसर लेजर शो के निदेशक मनीष कुमार ने बताया कि अभी शाम छह बजे से सात बजे तक शो चलाया जा रहा है . लेकिन रविवार 29 दिसंबर से दो शो चलेगा . इसमें दूसरा शो सात बजे से आठ बजे होगा . संगत की भीड़ अधिक रही तो यह शो आठ से नौ बजे भी चलाया जायेगा .

Hindustan (Date: - 28/12/2019)

जागरूकता

अपनी मेहनत से किसान ने बदली मिट्टी-पानी की तासीर

पूर्णिया | धीरज

पूर्णिया का खस पिथौरागढ़ से लेकर मराठवाड़ा तक न सिर्फ अपनी खुशबू बिखेर रही, बल्कि यह जल के शुद्धीकरण से लेकर भूस्खलन तक को रोकने में कारगर साबित हो रहा है। पूर्णिया में प्राकृतिक खेती करने वाले किसान डेढ़ करोड़ खस का पौधा इंडियन आर्मी के इको टास्क फोर्स को भेंट कर चुके हैं। पिथौरागढ़ (उत्तराखंड) में खस पहाड़ों में होने वाले भूस्खलन को रोकने में मददगार साबित हो रहा है तो मराठावाड़ा में यह बरसाती पानी का ट्रीटमेंट कर मिट्टी में नमी बनाने का काम कर रहा है। रामनगर (पूर्णिया) के हिमकर मिश्रा ने प्राकृतिक खेती के प्रति समर्पित हैं। गांव की मिट्टी की खुशबू उन्हें खींच लाया। रामनगर के किसान ने अपनी मेहनत से मिट्टी-पानी की तासीर बदल दी। हिमकर मिश्रा ने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ी निजी कंपनी की नौकरी छोड़ दी। वह करीब तीन वर्षों से प्रकृति के बीच रम गये हैं। गांव में करीब 30 एकड़ में वह प्राकृतिक खेती कर रहे हैं।

हरियाली यात्रा

- रामनगर के हिमकर मिश्रा प्राकृतिक खेती को समर्पित
- गांव की मिट्टी खींच लायी, निजी कंपनी की छोड़ी नौकरी

हिमकर मिश्रा के खेत का मुआयना करते जिलाधिकारी राहुल कुमार।

...गांव जाकर प्राकृतिक खेती देखेंगे सीएम

हरियाली यात्रा पर पूर्णिया आगमन के दौरान सीएम नीतीश कुमार केनगर प्रखंड स्थित रामनगर गांव जाकर हिमकर मिश्रा के द्वारा की जा रही प्राकृतिक खेती को देख सकते हैं। जिलाधिकारी राहुल कुमार ने कहा कि हिमकर मिश्रा प्राकृतिक खेती करते हैं। उन्होंने बलुआही मिट्टी में प्राकृतिक खेती की है। वह प्रेरणास्रोत हैं। प्राकृतिक खेती देखने डीएम के साथ उपविकास आयुक्त अमन समीर भी गये थे।